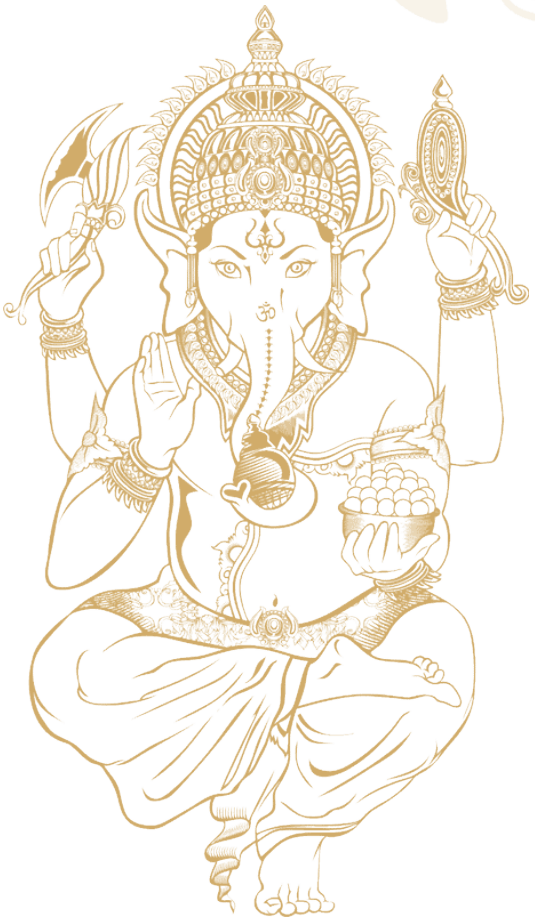

Mr.

17 Jan 2026

10:23 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120954207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:23:00 घंटे**
इष्ट	08:18:42 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:07:16 घंटे
वेलान्तर	-00:10:01 घंटे
साम्पातिक काल	17:53:47 घंटे
सूर्योदय	07:03:31 घंटे
सूर्यास्त	17:48:22 घंटे
दिनमान	10:44:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:51:19 मकर
लग्न के अंश	03:38:57 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	03:38:57	495:35:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			मक	02:51:19	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	14:26:32	12:12:59	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	00:58:02	00:46:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	धनु	29:59:57	01:38:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:58:03	00:07:57	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	05:22:00	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	03:04:54	00:04:53	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:29:06	00:08:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:29:06	00:08:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:22:33	00:00:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:33:21	00:01:15	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:00:03	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	04:21:19	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

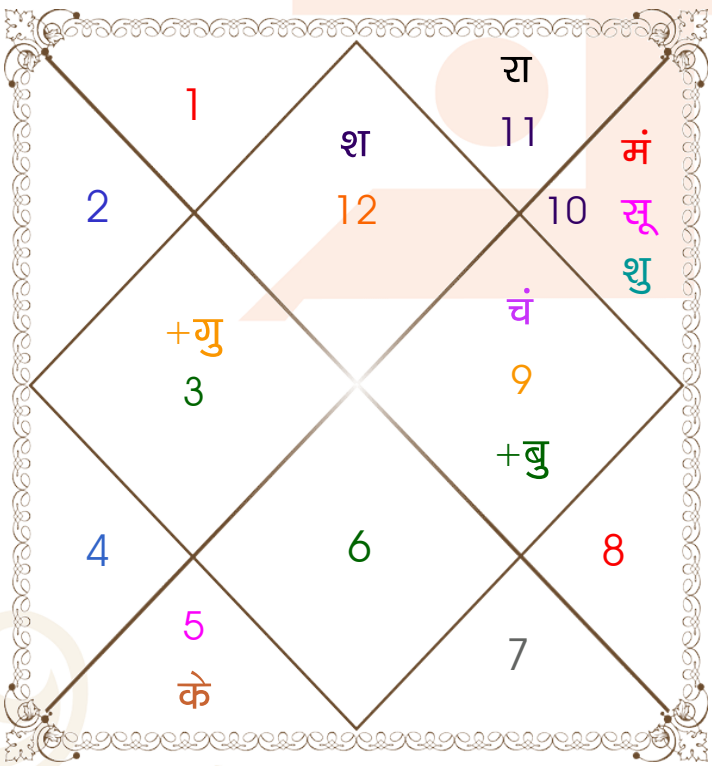

चन्द्र कुंडली

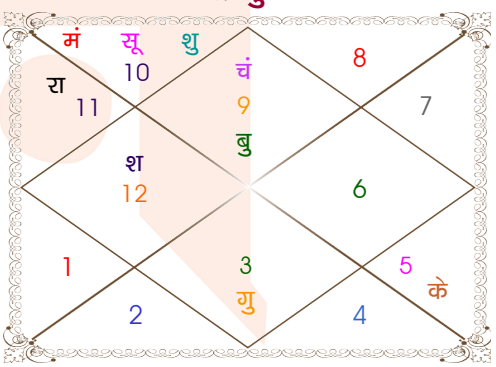

नवमांश कुंडली

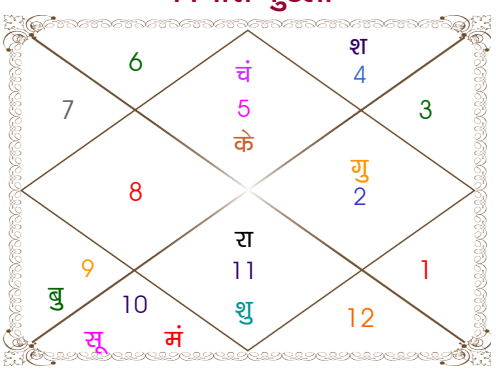

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 4 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/01/2026		19/05/2044		20/05/2050		19/05/2060		20/05/2067	
19/05/2044		20/05/2050		19/05/2060		20/05/2067		20/05/2085	
शुक्र	19/09/2027	सूर्य	06/09/2044	चंद्र	20/03/2051	मंगल	16/10/2060	राहु	30/01/2070
सूर्य	18/09/2028	चंद्र	08/03/2045	मंगल	19/10/2051	राहु	03/11/2061	गुरु	25/06/2072
चंद्र	20/05/2030	मंगल	13/07/2045	राहु	19/04/2053	गुरु	10/10/2062	शनि	02/05/2075
मंगल	20/07/2031	राहु	07/06/2046	गुरु	19/08/2054	शनि	19/11/2063	बुध	18/11/2077
राहु	20/07/2034	गुरु	26/03/2047	शनि	20/03/2056	बुध	15/11/2064	केतु	07/12/2078
गुरु	20/03/2037	शनि	07/03/2048	बुध	19/08/2057	केतु	13/04/2065	शुक्र	07/12/2081
शनि	19/05/2040	बुध	12/01/2049	केतु	20/03/2058	शुक्र	13/06/2066	सूर्य	31/10/2082
बुध	20/03/2043	केतु	20/05/2049	शुक्र	19/11/2059	सूर्य	19/10/2066	चंद्र	01/05/2084
केतु	19/05/2044	शुक्र	20/05/2050	सूर्य	19/05/2060	चंद्र	20/05/2067	मंगल	20/05/2085

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/05/2085		21/05/2101		20/05/2120		21/05/2137		20/05/2144	
21/05/2101		20/05/2120		21/05/2137		20/05/2144		00/00/0000	
गुरु	08/07/2087	शनि	23/05/2104	बुध	17/10/2122	केतु	17/10/2137	शुक्र	18/01/2146
शनि	18/01/2090	बुध	01/02/2107	केतु	14/10/2123	शुक्र	17/12/2138		00/00/0000
बुध	25/04/2092	केतु	11/03/2108	शुक्र	14/08/2126	सूर्य	24/04/2139		00/00/0000
केतु	01/04/2093	शुक्र	12/05/2111	सूर्य	21/06/2127	चंद्र	23/11/2139		00/00/0000
शुक्र	01/12/2095	सूर्य	23/04/2112	चंद्र	19/11/2128	मंगल	20/04/2140		00/00/0000
सूर्य	18/09/2096	चंद्र	22/11/2113	मंगल	16/11/2129	राहु	08/05/2141		00/00/0000
चंद्र	18/01/2098	मंगल	01/01/2115	राहु	05/06/2132	गुरु	14/04/2142		00/00/0000
मंगल	25/12/2098	राहु	07/11/2117	गुरु	11/09/2134	शनि	24/05/2143		00/00/0000
राहु	21/05/2101	गुरु	20/05/2120	शनि	21/05/2137	बुध	20/05/2144		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में

सोचते रहते है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।